

(Under Section 454 Cr. P.C.)

178 of BNS.

12/12/25

Inspector-In-Charge  
Pradhan Nagar Police Station  
Siliguri Police Commissionerate

1. Dist. SPC P.S. Pradhan Nagar Year 2025 FIR No. 830/25 Date 13/12/25  
2. i) Act U/S 126(2)/115(1)/74/351(2)(3)/3(5) BNS Sections ii) Act Sections iii) Act Sections iv) Others Acts & Sections

3. (a) Occurrence of offence : Day on 12/12/25 Date From on 12/12/25 Date To at around 18.15 hrs. Time Period Time From Time To

(b) Information received at P.S. Date on 13/12/25 Time 18.15 hrs.  
(c) General Diary Reference : Entry No (s) 782 Time 18.15 hrs.

4. Type of Information Written Written / Oral

5. Place of Occurrence : (a) Direction and Distance from P.S. South, 2 km Beat No. \_\_\_\_\_

(b) Address Rajendra Nagar, Das Patty, W/r-01, P.S. Pradhan Nagar, Dist. Darjeeling  
(c) In case outside limit of this Police Station, then the Name of the P.S. \_\_\_\_\_ District \_\_\_\_\_

6. Complainant / Informant :

(a) Name Anita Das  
(b) Father's / Husband's Name Late Pramod Das  
(c) Date / Year of Birth \_\_\_\_\_ (d) Nationality Indian  
(e) Passport No. \_\_\_\_\_ Date of Issue : \_\_\_\_\_ Place of Issue \_\_\_\_\_  
(f) Occupation \_\_\_\_\_  
(g) Address Rajendra Nagar, Das Patty, W/r-01, P.S. Pradhan Nagar, Dist. DM

7. Details of known / suspected / unknown accused with full particulars

(Attach separate sheet, if necessary) :

(i) Harindra Das, (ii) Raju Das, (iii) Animesh Das, (iv) Rajesh Das, (v) Pradip Das, (vi) Puja Das, (vii) Purnima Das

8. Reasons for delay in reporting by the Complainant / Information

9. Particulars of properties stolen / involved (Attach separate sheet, if necessary) :

10. Total value of properties stolen / involved \_\_\_\_\_

11. Inquest Report / U.D. Case No. If any \_\_\_\_\_

12. FIR Contents (Attach separate sheets, if required) : The original written complaint of the complainant which is treated as FIR is enclosed herewith.

13. Action Taken : Since the above report reveals commission of offence(s) as mentioned at item No. 2., Registered the case and took up the investigation / directed ASE Parash Ch. Roy to take up investigation / refused investigation / transferred to P.S. \_\_\_\_\_ on point of jurisdiction. FIR read over to the Complainant / Informant, admitted to be correctly recorded and a copy given to the Complainant / informant free of cost.

14. Signature / Thumb impression of the Complainant / Informant Noted in written complaint

15. Date & Time of despatch to the court : on 14/12/25 at 10:00 hrs.

Inspector-In-Charge  
Pradhan Nagar Police Station  
Siliguri Police Commissionerate  
Signature of the Officer-In-Charge, Police Station Sumit Sarkar  
Name : Sumit Sarkar  
Rank : No. SI of police

नाम

दिनांक : 13/12/2025

इंस्पेक्टर इंचार्ज  
प्रधान नगर पुलिस स्टेशन  
शिलिगुरी - 08.

Received on 13/12/25 at 12.15 hrs vide.  
PDN P.S. GDE NO. 782 and started PDN P.S.  
case NO. 830/25 dt. 13/12/25 U/S 126(2)/  
118(1)/74) 351(2)(3)/3(5) of BN3 and is  
endorsed to ASI Parresh Ch. Roy for  
its investigation.

विषय : F.I.R.

13/12/25

Inspector-In-Charge  
Pradhan Nagar Police Station  
Siliguri Police Commissionerate

महोदय,

मै. अनिता दास (F/5019) पति U. प्रमोद दास, ठिकाना  
शार्पेन्द्र नगर, दास पत्नी कार्ड नंबर - 01, थाना प्रधान नगर, जिला  
दार्जिलिंग आपसे सुनित करना चाहती हूँ कि दिनांक 12/12/25  
कोपहर के समय मेरे छोटे बच्चे और पड़ोसी के बच्चे के  
बिच कुछ बातों के लेकर अमला के रहे थी, जिसके वजह  
से मेरे पड़ोसी जिनका नाम हरिंदर दास, मेरे छोटे बच्चे के  
मारने के लगे।

जब मैं यह देखा तो जरा 15.15 बजे तो मैं उनके  
पास गई और बोली कि बच्चे बच्चे में अमला हुआ है और  
आप के पिछले साथ रहने लगे। उस इतना ही बोले कि  
आप हरिंदर दास और उसके परिवार के लोग ① राजू दास,  
अम. अमरेश दास, राधेश दास, प्रदीप दास, पूजा दास और  
प्रमिला दास के मेरे साथ अगड़ा करने लगे। जब मेरे के बड़े  
बेटे के देखा कि मेरे साथ अगड़ा हो रहे हैं, तो मैं मुझे बच्चे  
की कीर्तिशा कि तो उनके घर के बच्चे के धारदार दृष्टिगत  
निकाला और मेरे के बड़े बेटे पर चला दिया। जिसके वजह से  
उनु देना का स्तर फट गया और रून से लपेट हो गए।  
मुझे मेरे मुझे लपेट से मारा जिसके कारण शंभर चोट  
आइ और इलाज के लिए हस्पताल ले गया।

R/S/O

उन लोगों ने यह भी चमके दे कि अमी ली शुक्रमात ही  
अगर ज्यादा होगा तो जान से भी मार सकते हैं और यहां  
पर रहने की नहीं देंगे। तुम लोगों के यहां से बचा देंगे।

महोदय, मेरा दोना बड़े बड़े अमी अस्पताल में सुडमिर  
आ आपसे निकलन है कि मुझे और मेरे परिवार को इन  
लोगों से बचाया जाए। आपसे प्रार्थना निकलन है कि  
इन लोगों को बिजलाफ शकस से सखत करवाइ किया  
जाए।

आपका विश्वासपात

अनील दास

9800402225

मनी निरुध और उनी माता की  
यह के कामना किया (Donyang Bhanu  
(25-00 54 252)